पाठ-9

जैसे को तैसा

यह कहानी अकबर-बीरबल की कथाओं से जुड़ी हुई है। अकबर-बीरबल की कथाएँ जग प्रसिद्ध हैं जो बीरबल के चुटीले व्यंग्य, हाजिर जवाबी, चालाकी, बुद्धिमत्ता आदि कई गुणों को उजागर करती हैं, तो साथ ही सम्राट अकबर के न्याय व उनके मंत्रियों के साथ व्यवहार को प्रकट करती हैं।

'जैसे को तैसा' कहानी के माध्यम से यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी दूसरों के अपकार करने की बात नहीं सोचनी चाहिए। कुम्हार ने धोबी को सबक सिखाने के लिए षड्यंत्र रचा था, किन्तु वह उल्टे उसमें फँस गया। इसलिए कोई भी काम करने से पहले हमें सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

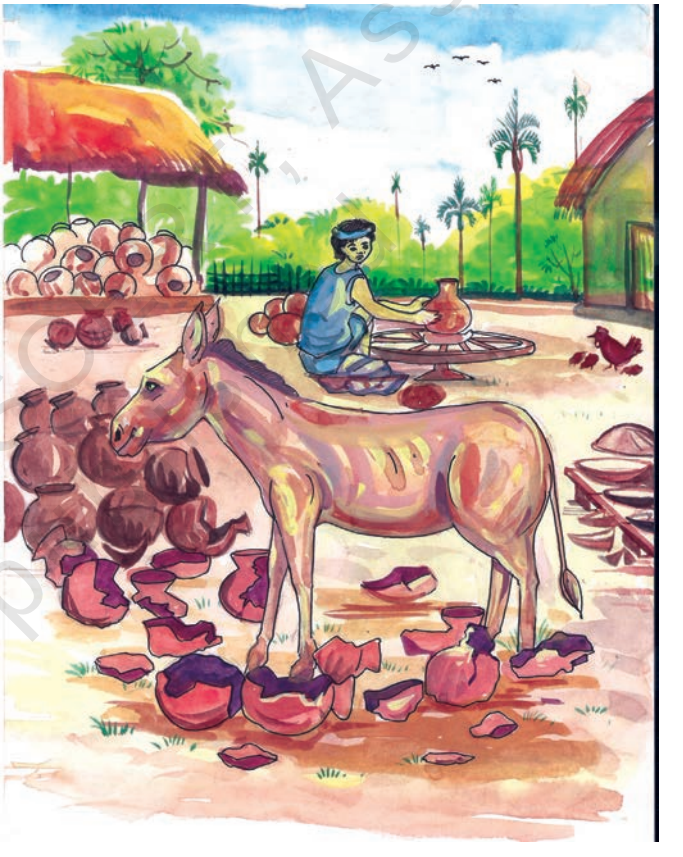

एक दिन एक धोबी का गधा उसके पड़ोस में रह रहे एक कुम्हार के घर में घुस गया। कुम्हार ने अपने बर्तनों को धूप में सूखने के लिए बाहर रख दिया था। गधे ने सभी बर्तनों पर कूद-कूद कर उन्हें तोड़ दिया। तभी कुम्हार कहीं से आकर धोबी के गधे तथा टूटे बर्तनों को देखकर क्रोधित हो गया। एक डंडा उठाकर वह गधे को पीटने लगा। दर्द के मारे गधा जोर-जोर से रेंकने लगा। गधे की आवाज सुनकर धोबी उसे बचाने के लिए आ गया। वह चिल्लाकर बोला- "अरे क्या बात है? तुम मेरे गधे को क्यों पीट रहे हो?"

कुम्हार ने कहा- "अगर तुम्हें अपना गधा इतना ही प्रिय है तो उसे हिफाजत से क्यों नहीं रखते? तुम्हें उसे बांधकर रखना चाहिए था। इधर आकर देखो, तुम्हारे गधे ने मेरे सारे बर्तनों को तोड़ दिया है। ये बर्तन किसी सेठ के आदेश से बनाए गए थे, अब तुम ही बताओ कि मैं इतनी जल्दी बर्तन कैसे बना पाऊँगा कि दस दिन के अंदर उसे दे सकूँ। मैं इसे सजा दिए बिना नहीं छोड़ूँगा।"

धोबी बोला- "मैं तुम्हारे सारे टूटे बर्तनों की कीमत दे दूँगा। इस बात को यहीं समाप्त करो। हम इस छोटी-सी बात के लिए क्यों लड़ें?" कुम्हार को पैसा देकर धोबी अपने गधे को लेकर चला गया। परंतु कुम्हार अब भी गुस्से में था। मेहनत तो वह दुबारा कर लेगा पर ग्राहक को तय किए समय के अंदर वह बर्तन कैसे दे पाएगा? कुम्हार के लिए यह एक गंभीर समस्या थी। इसलिए गधे द्वारा किए गए नुकसान के बदले

© SCERT, Assam not to be republished

वह धोबी को सबक सिखाना चाहता था।

अगले दिन कुम्हार बादशाह अकबर से मिलने दरबार गया। वहाँ पहुँचकर वह बोला, ''महाराज, शाम को ही मेरे एक मित्र ईरान से आए हैं। उन्होंने मुझे बताया है कि ईरान के शाह हमारे देश और यहाँ के लोगों से बहुत प्रभावित हैं। परंतु वह कहता है कि भारतीय हाथी काले व गंदे होते हैं। उसकी सेना में सफेद व स्वच्छ हाथी हैं।''

बादशाह ने पूछा– ''तो इसमें हम क्या कर सकते हैं?''

कुम्हार बोला– ''महाराज, ईरान के शाह के पास धोबियों का बहुत बड़ा दल है जो हाथियों को दिन में दो बार साफ करता है। अगर ईरान के शाह की तरह हम भी अपने हाथियों को नियमित रूप से धोएँ तो हो सकता है हमारे हाथी ईरान के हाथियों से भी अधिक स्वच्छ और सफेद हो जाएँ।''

यह सुनकर बादशाह अकबर समझ गए कि कुम्हार के मन में कुछ शरारत है लेकिन वह प्रकट नहीं होने दे रहा है। वे बोले, ''सारे नगर के धोबियों को एकत्रित करो और उन्हें कहो कि हमारे हाथियों को रोज धोएँ।''

''महाराज, सभी धोबियों को बुलाने की कोई आवश्यकता नहीं है। मेरे पड़ोस में जो धोबी रहता है वह बहुत साफ धुलाई करता है। वह हमारे हाथियों की धुलाई के लिए उपयुक्त है।''

बादशाह अकबर कुम्हार की योजना समझ गए और उन्होंने अपने सेवकों से कहा, ''जल्दी जाओ और धोबी को पकड़ कर ले आओ।''

धोबी को बुलाकर हाथियों को साफ करने के लिए कहा गया। धोबी ने कुछ हाथियों को सारा दिन रगड़-रगड़ कर साफ किया परंतु वे सभी काले के काले ही रहे। शाम को थका हुआ धोबी घबड़ा गया। उसे बादशाह के क्रोध से डर लग रहा था क्योंकि साफ करने के बावजूद हाथी अभी तक काले ही थे। धोबी यह भी समझ चुका था कि यह सब कुम्हार की योजना थी जो उसे सबक सिखाना चाहता था। वह सहायता के लिए तुरंत बीरबल के महल की ओर चल पड़ा। बीरबल से

Copyright-SCERT, Assam
not to be republished

मिलने के पश्चात वह निश्चिंत होकर अपने घर वापस आ गया। अगली सुबह जब बादशाह अकबर उसे हाथियों को साफ न करने के कारण डाँट रहे थे तो वह बोला, ''महाराज, यदि मेरे पास एक बड़ा टब हो जिसमें हाथी को रगड़ते समय रखा जा सके तो मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे हाथी ईरान के बादशाह के हाथियों से अधिक सफेद हो जाएँगे।''

बादशाह अकबर जानते थे कि धोबी कुम्हार का जवाब दे रहा है। इसलिए वे बोले, ''कुम्हार को हाथी के नहाने के लिए एक बड़ा टब बनाने को कहा जाए जिसमें हाथी को सुविधापूर्वक रखा जा सके।''

कुम्हार को हाथी के नहाने के लिए टब बनाने का आदेश दिया गया। उसने इसे बनाने के लिए एक सप्ताह का समय लिया। तब वह उसे लेकर राजमहल में पहुँचा, परंतु जैसे ही हाथी ने अपना पैर टब में रखा, वह हाथी के वजन से टूट गया। बादशाह क्रोधित होकर बोले, ''तुमने एक कमजोर टब बनाया था। जाओ, सुबह तक एक और मजबूत टब बनाओ।''

कुम्हार समझ गया कि वह पकड़ा जा चुका है। वह बादशाह के पैरों पर गिरकर अपनी गलती मान गया और बोला कि वह धोबी को केवल सबक सिखाना चाहता था। तब बादशाह ने धोबी से पूछा, ''तुम्हें इस प्रकार टब बनाने की तरकीब कैसे सूझी? मैं तुम्हें तुम्हारी इस बुद्धिमत्ता के लिए इनाम दूँगा।''

''महाराज, इस इनाम के हकदार बीरबल साहब हैं, मैं नहीं। जब मैं उनसे सहायता माँगने गया था तो तरकीब मुझे उन्होंने ही बताई थी।'' बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाकर धोबी की सहायता करने के लिए शाबाशी दी।

□ *'अकबर-बीरबल की प्रसिद्ध कहानियाँ' से साभार*

आओ, यह भी जानें :

- ❑ हमें जीव-जंतुओं के साथ अच्छा बर्ताव करना चाहिए। किसी भी निरीह जंतु पर हाथ नहीं उठाना चाहिए।
- ❑ हाथी और मनुष्य के बीच इस समय जो द्वंद्व चल रहा है उसके पीछे वजह क्या हो सकती है? मनुष्य द्वारा जंगलों के ध्वंस होने के कारण हाथियों के लिए आवास व खाद्य की कमी होने लगी है। ऐसी स्थिति में जीव-जंतु के संरक्षण के लिए हम सब को मिलजुल कर कदम उठाना चाहिए।
- ❑ तुमलोग निश्चय ही सर्कस के बारे में जानते हो। सरकार ने आजकल सर्कस के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सर्कस में जानवरों के साथ हो रहे अत्याचार को रोका जा सके।

Copyright- SCERT, Assam not to be republished

अभ्यास-माला

पाठ से :

1. प्रस्तुत कहानी को अपने ढंग से कक्षा में सुनाओ।

2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दो :

(क) कुम्हार को धोबी के गधे पर इतना गुस्सा क्यों आया था ?

(ख) कुम्हार धोबी को क्यों सबक सिखाना चाहता था ?

(ग) दरबार में जाकर कुम्हार बादशाह अकबर से क्या बोला ?

(घ) धोबी क्यों घबरा गया था ?

(ङ) हाथियों को साफ न कर पाने के कारण बादशाह अकबर द्वारा धोबी को डाँटे जाने पर वह क्या बोला ?

(च) 'जैसे को तैसा' कहानी से तुम्हें क्या सीख मिली ?

(छ) धोबी को सबक सिखाने के लिए कुम्हार ने कौन-सी योजना बनाई ?

(ज) क्या कुम्हार अपनी योजना में कामयाब हुआ ?

(झ) धोबी सहायता के लिए किसके महल की ओर चल पड़ा था ?

3. सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करो :

(क) गधा ..... के कारण जोर-जोर से रेंकने लगा।

(क) क्रोध (ख) दर्द

(ग) बुखार (घ) भय

(ख) ..... से मिलने के पश्चात वह निश्चिंत होकर अपने घर वापस आ गया।

(क) अकबर (ख) बीरबल

(ग) ईरान के बादशाह (घ) कुम्हार

(ग) कुम्हार को हाथी के नहाने के लिए ..... बनाने का आदेश दिया गया।

(क) गमला (ख) टब

(ग) कंडाल (घ) घड़ा

(घ) ''मैं तुम्हें तुम्हारी इस ..... के लिए इनाम दूँगा।''

(क) तरकीब (ख) बुद्धिमत्ता

(ग) चालाकी (घ) सहायता

Copyright SCERT, Assam not be republished

पाठ के आस-पास :

1. आओ, सभी मिलकर चर्चा करें :

(क) प्राणी-हिंसा को कैसे रोकें ?

(ख) जीव-जंतुओं की सुरक्षा के लिए हम क्या कर सकते हैं ?

(ग) सभी प्राणियों के साथ हमें क्या प्रेम का भाव नहीं रखना चाहिए ?

भाषा-अध्ययन :

1. आओ जानें :

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं –

(1) सरल वाक्य (2) संयुक्त वाक्य (3) मिश्र वाक्य

इन वाक्यों को ध्यान से देखो –

बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

सूर्योदय होने पर पक्षी बोलने लगे।

संन्यासी आशीर्वाद देकर अदृश्य हो गया।

स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहते हैं।

शशि नाच रही है।

ऊपर के सभी वाक्यों में मुख्य क्रिया एक ही है, जो रेखांकित अंशों में स्पष्ट है। आकार में छोटे-बड़े होते हुए भी रचना की दृष्टि से इनमें समानता है। ऐसे वाक्यों को **सरल वाक्य** कहा जाता है।

अब इन वाक्यों को देखो। इन वाक्यों में दो-दो उपवाक्य हैं और दोनों उपवाक्य किसी समुच्चय बोधक या योजक शब्द से जुड़े हुए हैं –

Copyright SCERT, Assam not be republished

मैं नित्य व्यायाम करता हूँ और स्नान करता हूँ।
आप कुछ पीएँगे या आपके लिए भोजन ले आऊँ?
सुषमा बीमार है, इसलिए आज स्कूल नहीं गई।
मजदूर परिश्रम करता है लेकिन उसका लाभ उसे नहीं मिलता।
यदि वह झूठ नहीं बोलता तो दंड न पाता।

ऊपर के उदाहरणों में रेखांकित शब्द 'और', 'या', 'इसलिए', 'लेकिन', 'तो' आदि शब्दों से दो-दो उपवाक्य जुड़े हुए हैं। योजकों की सहायता से जुड़े हुए ऐसे वाक्यों को **संयुक्त वाक्य** कहते हैं।

कुछ और वाक्य देखो –

राम ने कहा कि हम लड़ाई नहीं चाहते।
जो मेहनत करता है, उसे अवश्य सफलता मिलती है।
जब तुम स्टेशन पहुँचे तब मैं घर से चला।
श्यामलाल, जो पानबाजार में रहता है, मेरा मित्र है।
यह वही भारत देश है, जिसे कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था।

ऊपर के वाक्यों में एकाधिक उपवाक्य हैं। इनमें से एक प्रधान उपवाक्य है और अन्य गौण उपवाक्य। इन उदाहरणों में रेखांकित अंश गौण उपवाक्य हैं और दूसरे अंश प्रधान उपवाक्य। ऐसे वाक्यों को **मिश्र वाक्य** कहते हैं।

– *इन तीनों प्रकार के दो-दो वाक्य लिखकर शिक्षक/ शिक्षिका को दिखाओ।*

2. अपनी शिक्षण-माध्यम भाषा में अनुवाद करो :

लाचित बरफुकन असम के एक प्रसिद्ध वीर थे। उन्होंने शराइघाट की लड़ाई में मुगलों को हराया और असम को बचाया था।

मुगल असम को जीत लेना चाहते थे। उनके सेनापति रामसिंह असम को जीतने के लिए दिल्ली से आये थे, पर लड़ाई में वे लाचित बरफुकन से हार गये।

लाचित बरफुकन अपने देश से बहुत प्यार करते थे। देश के काम में उनके मामा ने ढिलाई की थी। इस कारण मामा भी बच नहीं पाए। उन्होंने कहा था– ''देश से मामा बड़ा नहीं है''

3. नीचे दिए गए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करो :

(क) मैंने रोटी खाया। _____
(ख) वह दो महीने से बीमार हैं। _____
(ग) इस चिट्ठी को किसने लिखी है। _____
(घ) बच्चा माँ के बगल में बैठा है। _____
(ङ) राम और सीता आ रही है। _____

Copyright SCERT, Assam not to be republished

4. आओ, जान लें :

'से' विभक्ति का प्रयोग

करण और **अपादान** इन दोनों कारकों की विभक्ति 'से' है। करण कारक की 'से' विभक्ति 'साधन' और अपादान कारक की 'से' विभक्ति 'पृथकता' की द्योतक हैं। जैसे–

करण की 'से' विभक्ति
- चम्मच से खाना खाओ।
- कलम से चिट्ठी लिखो।

अपादान की 'से' विभक्ति
- धनुष से तीर छूटा।
- पेड़ से पत्ता गिरा।

इसी तरह दोनों कारकों के पाँच–पाँच वाक्य लिखो।

में / पर विभक्ति का प्रयोग

अधिकरण कारक की विभक्तियाँ 'में' और 'पर' हैं। जहाँ किसी चीज का किसी स्थान या वस्तु के अंदर रहने का भाव प्रकट होता है, वहाँ 'में' का और जहाँ ऊपर रहने का भाव प्रकट होता है वहाँ 'पर' का प्रयोग होता है। जैसे –

अंदर रहने का भाव
- राजू घर <u>में</u> है।
- किताब अलमारी <u>में</u> है।

ऊपर रहने का भाव
- किताब मेज <u>पर</u> है।
- फर्श <u>पर</u> कालीन बिछा है।

अब 'में' और 'पर' का प्रयोग दर्शाकर पाँच–पाँच वाक्य लिखो।

5. निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक देकर सार लिखो :

मानव जीवन में खेलकूद का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल व्यायाम का सबसे अच्छा साधन है। जिस बालक का मन अन्य कहीं नहीं लगता उसका मन भी खेलकूद में खूब लगता है। खेलने से चिंता दूर होती है, उत्साह बढ़ता है तथा तन–मन दोनों प्रसन्न रहते हैं। इससे शरीर में चुस्ती आती है तथा कार्यक्षमता बढ़ती है। अनेक ऐसे गुण हैं, जो खेलों में भाग लेने से अपने–आप ही आ जाते हैं। अनुशासन, सहयोग आदि ऐसे ही गुण हैं। आजकल नौकरियों में भी अच्छे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाती है। खेलों से राष्ट्रों के बीच अच्छे संबंध बन रहे हैं, ये राष्ट्रों को एक–दूसरे के निकट लाने में सहायक हो रहे हैं।

Copyright-SCERT, Assam not to be republished

योग्यता-विस्तार :

(क) आओ, बीरबल के बारे में जान लें :

कहा जाता है कि बीरबल अकबर के दरबार के सबसे ईमानदार और वफादार मंत्री थे। अकबर के दरबार में नौ रत्न थे। ये अपने-अपने विषयों के ज्ञाता थे। कहते हैं बीरबल उनमें से एक थे। अकबर बीरबल को अपना सलाहकार मानते थे। राजा टोडरमल तथा तानसेन अकबर के नवरत्नों में आज तक याद किए जाते हैं।

इस तरह टोडरमल और तानसेन की जीवनी का संग्रह करते हुए उनके बारे में जान लो।

(ख) प्रस्तुत कहानी 'जैसे को तैसा' की तरह अकबर-बीरबल की अन्य कहानियाँ ढूँढ़कर पढ़ो और कोई एक कहानी कक्षा में सुनाओ।

परियोजना :

सफेद हाथी के लिए ईरान तथा एक सींग वाले गैंडे के लिए असम प्रसिद्ध है। इसी तरह राजस्थान ऊँट के लिए प्रसिद्ध है। तुमलोग ऐसे और दो राज्यों के नाम लिखो जो विशिष्ट जानवरों के लिए प्रसिद्ध हैं।

❑ **नीचे पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ दिये गये हैं। पाठ से लिए गए शेष शब्दों के अर्थ शब्द-कोश की मदद से खुद खोजकर लिखो :**

पड़ोस	=	किसी स्थान के आस-पास का स्थान	समस्या	=	.....
हिफाजत	=	रखवाली	नुकसान	=	.....
शाह	=	बादशाह, महाराज	शरारत	=	.....
डाँट	=	बिगड़कर कही हुई बात, डपट	उपयुक्त	=	.....
धूप	=	.....	योजना	=	.....
डंडा	=	.....	टब	=	.....
दर्द	=	.....	कमजोर	=	.....
रेंकना	=	.....	मजबूत	=	.....
सजा	=	.....	तरकीब	=	.....
कीमत	=	.....	हकदार	=	.....
ग्राहक	=	.....	शाबाशी	=	.....

Copyright-SCERT, Assam not be republished